ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, सोमवार 27 अक्टूबर 2025
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 184

21 साल बाद देश में वोटर लिस्ट का विशेष पुनरीक्षण- राजस्थान सहित 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 103 दिन तक चलेगा SIR

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। देश में 21 साल बाद फिर से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision - SIR) शुरू होने जा रहा है। बिहार में प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में यह अभियान 28 अक्टूबर से 7 फरवरी 2026 तक चलेगा। इस दौरान नए मतदाताओं के नाम जोड़े जाएंगे, मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे और मतदाता सूची में दर्ज त्रुटियों को सुधारा जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को बताया कि आज रात से ही इन सभी राज्यों की वर्तमान वोटर लिस्ट फ्रीज कर दी जाएगी। इस प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं की पहचान, नागरिकता और पते की पुष्टि की जाएगी ताकि कोई भी अयोग्य व्यक्ति सूची में शामिल न हो और कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए।

किन राज्यों में शुरू होगा SIR

अंडमान निकोबार द्वीप समूह, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में यह प्रक्रिया चलेगी। चुनाव आयोग ने बताया कि असम में फिलहाल SIR नहीं होगा क्योंकि वहां नागरिकता से जुड़े नियम और NRC (National Register of Citizens) लागू होने के कारण प्रक्रिया अलग ढंग से चलेगी।

103 दिन चलेगा मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान

SIR के तहत लगभग 51 करोड़ मतदाताओं की सूची की जांच होगी। इस कार्य में 5.33 लाख बीएलओ (BLO) और 7 लाख से अधिक बीएलए (BLA) राजनीतिक दलों की ओर से लगाए जाएंगे। प्रत्येक BLO घर-घर जाकर मतदाताओं से जानकारी मिलाएंगे। यदि किसी मतदाता का नाम दो जगह दर्ज है तो उसे एक जगह से हटाया जाएगा। जिनका नाम सूची में नहीं है, वे फॉर्म भरकर नाम जुड़वा सकेंगे। मतदाता पहचान के लिए आयोग ने कई दस्तावेज मान्य किए हैं, जिनमें शामिल हैं —आधार कार्ड पासपोर्ट जन्म प्रमाणपत्र 10वीं की मार्कशीट पेंशनर पहचान पत्र सरकारी विभाग द्वारा जारी पहचान पत्र जाति प्रमाणपत्र / निवास प्रमाणपत्र वन अधिकार प्रमाणपत्र राष्ट्रीय रजिस्टर (NRC) में नाम परिवार या भूमि आवंटन रजिस्टर में नाम क्यों जरूरी है SIR

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा — "देश में आखिरी बार विशेष गहन पुनरीक्षण 21 वर्ष पहले हुआ था। अब समय आ गया है कि सूची को वास्तविकता के अनुरूप अपडेट किया जाए। शहरीकरण और माइग्रेशन के कारण लाखों लोगों के पते बदले हैं। कई जगह एक ही व्यक्ति के नाम दो बार दर्ज हैं, जबकि मृत मतदाताओं के नाम अब भी सूचियों में बने हुए हैं।" आयोग का कहना है कि SIR का मुख्य उद्देश्य है — दोहरे नाम हटाना मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपित करना विदेशी नागरिकों को सूची से बाहर करना नए 18+ योग्य मतदाताओं को जोड़ना

कब तक चलेगी प्रक्रिया

SIR की पूरी प्रक्रिया 7 फरवरी 2026 तक चलेगी। इस दौरान 31 दिसंबर 2025 तक 18 वर्ष के हो चुके नागरिकों को सूची में शामिल किया जाएगा। BLO द्वारा दिए गए प्री-फिल्ड फॉर्म को वोटर को सत्यापित करना होगा और आवश्यक दस्तावेज संलग्न करने होंगे। बिहार देश का पहला राज्य रहा जहां इस वर्ष SIR सफलतापूर्वक पूरा हुआ। राज्य में अंतिम मतदाता सूची में 7.42 करोड़ मतदाता दर्ज हुए हैं जो आगामी 6 और 11 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों में वोट डालेंगे। हालांकि बिहार में इस प्रक्रिया को लेकर विपक्षी दलों ने 'वोट चोरी' के आरोप लगाए थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग की प्रक्रिया को वैध करार दिया।

SIR का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

भारत में 1951 से लेकर 2004 तक SIR की प्रक्रिया नियमित रूप से होती रही, लेकिन इसके बाद 21 साल तक यह नहीं हो सकी। अब आयोग ने इसे दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया है। यह भी तय हुआ है कि भविष्य में हर पांच साल में एक बार यह विशेष पुनरीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

पुष्कर मेले में आया 15 करोड़ का घोड़ा:5 साल का बादल 285 बच्चों का बाप; 800KG का भैंसा और 16 इंच की गाय भी पहुंची

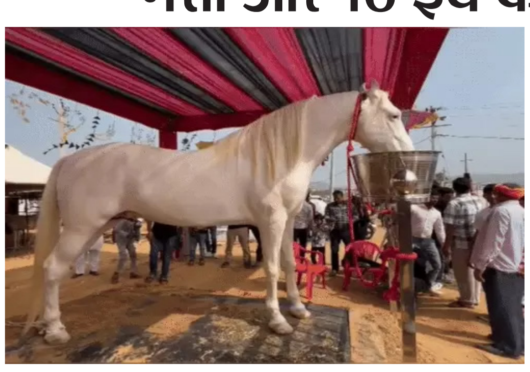

24 न्यूज अपडेट

अजमेर के पुष्कर में पशु मेला परवान पर है। रेतीले नए मेला मैदान में अब घोड़ों की संख्या बढ़ गई है। मेले में पंजाब, हरियाणा से आए अधिकतर घोड़ा मालिक जहां लग्जरी टेंट में रात गुजार रहे हैं। वहीं उनके टेंट के बाहर कीमती और लग्जरी गाड़ियां खड़ी है।

बीकानेर से एक पशुपालक 800 किलो का मुर्रा नस्ल का भैंसा लेकर रेतीले धोरों में पहुंचा है। इसकी कीमत करीब 10 लाख रुपए है। मेले में 5 साल का घोड़ा बादल भी पहुंचा है। बादल अब तक 285 बच्चों का बाप बन चुका है। बादल की 11 करोड़ रुपए कीमत लग चुकी है, लेकिन मालिक राहुल उसे बेचना नहीं चाहते हैं।

पंजाब का पशुपालक गेरी अपना 6 शो जीत चुका 15 करोड़ का घोड़ा शाबाज लेकर पुष्कर मेले में पहुंचा है। शाबाज से ब्रीडिंग का पैसा 2 लाख रुपए है। मेले में सबसे छोटी 16 इंच की गाय भी आई है।

शिमला से ठंडी हुई ऊना-सोलन की रातें:मैदानी इलाकों में कम हो रहा रात का पारा; केलांग का तापमान माइनस -0.1 डिग्री

24 न्यूज अपडेट

हिमाचल प्रदेश के निचले इलाकों में ठंड पड़नी शुरू हो गई है। मैदानी इलाकों में रात का तापमान नॉर्मल से नीचे गिर रहा है। इस वजह से ऊना, सोलन, सुंदरनगर और पालमपुर की रातें शिमला से भी ज्यादा ठंडी हो गई है।

शिमला का न्यूनतम तापमान बीती रात को 11 डिग्री सेल्सियस और प्रदेश के सबसे गर्म शहर ऊना का पारा 10.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। कुल्लू के भुंतर का न्यूनतम तापमान 9 डिग्री, सोलन का 9.5 डिग्री, मनाली का 6.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं केलांग का तापमान माइनस -0.1 डिग्री और अधिकतम 33 डिग्री ऊना सेल्सियस में है।

मुरादाबाद के रेस्टोरेंट में 5 सिलेंडर फटे, महिला की मौत:भीषण आग से घिरे लोग, 10 झुलसे; पहली मंजिल की खिड़की तोड़कर कूदे

24 न्यूज अपडेट

मुरादाबाद में तीन मंजिला रेस्टोरेंट में अचानक आग लग गई। इसके बाद एक-एक करके 5 गैस सिलेंडर फट गए। हादसे में 10 से अधिक लोग झुलस गए। रेस्टोरेंट मालिक की मां माया श्रीवास्तव की मौत हो गई। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे रेस्टोरेंट को चपेट में ले लिया।

लपटों के बीच 16 लोग फंस गए। सीढ़ियों पर धुआं भरने से कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। इसके बाद लोगों ने आनन-फानन में रेस्टोरेंट की खिड़कियां तोड़ दीं। एक व्यक्ति पहली मंजिल से कूद गया। इसी दौरान फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। बाकियों को सीढ़ियों के सहारे रेस्क्यू किया गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद 2 घंटे में आग पर काबू पाया। इसके बाद झुलसे लोगों को अस्पताल भेजा गया। पुलिस का कहना है कि रेस्टोरेंट के बगल में शादी हो रही थी। रात करीब 10 बजे द्वारचार के दौरान आतिशबाजी हो रही थी, तभी एक पटाखा रेस्टोरेंट में जा गिरा। इससे रेस्टोरेंट में आग लग गई। हादसा रविवार रात 10 बजे रामपुर रोड के कटघर क्षेत्र में हुआ। रेस्टोरेंट मालिक का नाम प्रदीप श्रीवास्तव है। उनकी प्रेम वंडर लैंड पुल के पास तीन मंजिला बिल्डिंग है। दो मंजिलों पर वे 'परी' नाम से रेस्टोरेंट चलाते हैं, जबकि बिल्डिंग के तीसरे फ्लोर पर उनका परिवार रहता है। रेस्टोरेंट के एक कर्मचारी ने बताया- रविवार रात करीब 10 बजे रेस्टोरेंट में हम लोग खाना बना रहे थे। तीसरी मंजिल पर रेस्टोरेंट मालिक का परिवार था। पास में एक शादी चल रही थी। द्वारचार के वक्त आतिशबाजी हो रही थी, तभी एक पटाखा रेस्टोरेंट में आकर गिरा। जब तक हम लोग कुछ समझ पाते, रेस्टोरेंट में आग लग गई। इसके बाद सिलेंडर फटने लगे। कुछ ही मिनट में आग पूरे रेस्टोरेंट में फैल गई। हमने सीढ़ियों से भागने की कोशिश की, लेकिन सीढ़ियों पर धुआं भर गया। हम लोगों का दम घुटने लगा। इसके बाद हमने खिड़कियां तोड़ीं और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। थोड़ी देर बाद पुलिस और दमकलकर्मी पहुंचे और हम लोगों को बाहर निकाला।

एसपी सिटी ने बताया कि सभी लोगों को रेस्क्यू कर लिया गया है। 10 लोग झुलस गए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में रेस्टोरेंट मालिक की मां माया श्रीवास्तव (56) की मौत हो गई।

पुलिस वालों ने कंधे पर लादकर लोगों को बचाया

घटना से जुड़े वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो में दिख रहा है कि जब रेस्टोरेंट में धुआं और लपटें फैल गईं, तब एक युवक जान बचाने के लिए पहली मंजिल की खिड़की से नीचे कूद गया। वहीं दूसरे वीडियो में पुलिस और फायर ब्रिगेड के जवान सीढ़ियों के सहारे ऊपर पहुंचे और वहां फंसे लोगों को कंधे पर लादकर बाहर निकालते नजर आए।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- आग की लपटें देखकर हम मौके पर पहुंचे। देखा तो पूरा रेस्टोरेंट जल रहा था। कई लोग खिड़कियां तोड़कर रेलिंग पर खड़े थे। कुछ देर में पुलिस और दमकल कर्मी पहुंच गए। आसपास के लोग भी जुट गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से फंसे हुए लोगों को बाहर निकाला।

देश के 53वें चीफ जस्टिस बनेंगे जस्टिस सूर्यकांत:CJI बीआर गवई ने नाम की सिफारिश की; 14 महीने का होगा कार्यकाल

24 न्यूज अपडेट

सीनियर जज जस्टिस सूर्यकांत देश के 53वें चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया हो सकते हैं। मौजूदा चीफ जस्टिस भूषण आर गवई ने सोमवार को केंद्र सरकार को इनके नाम की सिफारिश की। इसके साथ CJI नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो गई है। परंपरा है कि मौजूदा CJI अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश तभी करते हैं, जब उन्हें कानून मंत्रालय से ऐसा करने को कहा जाता है। मौजूदा CJI गवई का कार्यकाल 23 नवंबर को खत्म हो रहा है।

उनके बाद जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर को CJI के तौर पर शपथ लेंगे। वे 9 फरवरी 2027 को रिटायर होंगे। उनका कार्यकाल लगभग 14 महीने का होगा। सुप्रीम कोर्ट के जज 65 साल की उम्र में रिटायर होते हैं।

CJI बनने वाले हरियाणा के पहले शख्स होंगे जस्टिस सूर्यकांत- जस्टिस सूर्यकांत इंडियन ज्यूडीशियरी की टॉप पोस्ट पर पहुंचने वाले हरियाणा से पहले शख्स होंगे। उनके नाम की सिफारिश करते हुए CJI गवई ने कहा कि जस्टिस सूर्यकांत सुप्रीम कोर्ट की कमान संभालने के लिए उपयुक्त और सक्षम हैं।

10वीं की परीक्षा देने गए तब पहली बार शहर देखा था

जस्टिस सूर्यकांत की हरियाणा की यात्रा हिसार के एक गुमनाम से गांव पेटवाड़ से शुरू हुई। वे सत्ता के गलियारों से जुड़े विशेषाधिकारों से दूर पले-बढ़े। उनके पिता एक शिक्षक थे। 8वीं तक उन्होंने गांव के स्कूल में ही पढ़ाई की, जहां बैठने के लिए बेंच नहीं थी। दूसरे गांव वालों की तरह जस्टिस सूर्यकांत ने अपने परिवार का पालन-पोषण करने के लिए खाली समय में खेतों में काम किया।

PM-किसान-सम्मान निधि की 21वीं किस्त नवंबर में जारी होगी:PM मोदी करीब 10 करोड़ किसानों के खाते में 2-2 हजार रुपए ट्रांसफर करेंगे

24 न्यूज अपडेट

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त नवंबर के पहले हफ्ते में जारी की जा सकती है। देशभर के 10 करोड़ से ज्यादा किसानों को इसका फायदा मिलेगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये किस्त बिहार विधानसभा चुनाव (6 और 11 नवंबर) से ठीक पहले जारी की जा सकती है। हालांकि, सरकार ने अभी तक कोई आधिकारिक तारीख घोषित नहीं की है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने क्या कहा ?

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में कहा था कि जल्द ही किसानों के खातों में 2,000 रुपए की अगली किस्त जमा की जाएगी।

सभी राज्य सरकारों से अपील की है कि वे आधार सीडिंग, ई-केवाईसी और अन्य जरूरी औपचारिकताएं जल्द से जल्द पूरी करें ताकि भुगतान में देरी न हो।

जम्मू-कश्मीर के दौरे में उन्होंने कहा था कि सीमावर्ती इलाकों में कई किसान खेती तो कर रहे हैं, लेकिन उनके जमीन के मालिकाना हक के दस्तावेज पूरे नहीं हैं।

अगर राज्य सरकारें ऐसे किसानों का वेरिफिकेशन करके उनके नाम केंद्र को भेजें, तो उन्हें भी इस योजना का लाभ मिल सकता है।

इसके 18 दिन बाद केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के 8.5 लाख से ज्यादा किसानों के खातों में 171 करोड़ रुपए की 21वीं किस्त ट्रांसफर कर दी थी।

सोना 884 बढ़कर 1.22 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ:इस साल 46,240 महंगा हो चुका, चांदी आज 997 चढ़कर 1.48 लाख किलो बिक रही

24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 27 अक्टूबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार सोने की कीमत 884 रुपए बढ़कर 1,22,402 पर पहुंच गई है। इससे पहले इसके दाम 1,21,508 रुपए प्रति 10 ग्राम थे। वहीं, चांदी में 997 रुपए की बढ़त है, ये 1,48,030 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। कल इसकी कीमत 1,47,033 प्रति किलोग्राम थी।

IBJA की सोने की कीमतों में 3% GST, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल RBI सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

सेंसेक्स 567 अंक चढ़कर 84,779 पर बंद:निफ्टी में भी 171 अंक की बढ़त; बैंकिंग और रियल्टी शेयरों में ज्यादा खरीदारी

24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार, 27 अक्टूबर को सेंसेक्स 567 अंक ऊपर 84,779 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 171 अंक की तेजी रही, ये 25,966 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 शेयर्स चढ़कर बंद हुए। एयरटेल, SBI, रिलायंस और जोमैटो के शेयरों में 2% से ज्यादा की तेजी रही। कोटक बैंक, BEL और इंफोसिस गिरकर बंद हुए।

निफ्टी के 50 में से 38 शेयरों में तेजी देखने को मिली। NSE के सेक्टोरल इंडाइसेज में PSU बैंक में 2.22%, रियल्टी में 1.46%, मेटल में 1.16% और ऑयल एंड गैस में 1.52% की तेजी रही।

संपादकीय : चुनावी सौदेबाजी

बिहार में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सत्ताधारी और विपक्षी दलों की ओर से मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए घोषणाओं और वादों का सिलसिला जारी है। जनता अपना समर्थन किस राजनीतिक दल या पक्ष को दे, यह इस पर निर्भर करता है कि वह किसे अपने या व्यापक हितों के अनुकूल समझती है। यह लोकतंत्र का एक जीवन-तत्त्व है कि राजनीतिक पार्टियां सत्ता हासिल करने के लिए जनता के हितों को केंद्र में रखें। मगर इस क्रम में पिछले कुछ वर्षों में हुआ यह है कि लगभग सभी राजनीतिक दल ऐन चुनावों के वक्त आम लोगों के सामने उनके हित के नाम पर ऐसे वादे करती हैं कि साधारण मतदाता कई बार सभी पक्षों की ईमानदारी का समग्र मूल्यांकन करने के बजाय तात्कालिक घोषणाओं से प्रभावित हो जाते हैं। इसका स्वाभाविक असर मतदान पर पड़ता है, लेकिन यह समझने की कोशिश नहीं की जाती कि चुनावी सौदेबाजी से देश की अर्थव्यवस्था और राजनीतिक शुचिता किस तरह प्रभावित होती है। बिहार में वोट जुटाने के मकसद से सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और विपक्षी महागठबंधन की ओर से मतदाताओं को रिझाने के लिए कई तरह की सौगात देने की घोषणाएं की गई हैं। अगर वे सचमुच पूरी होती हैं, तो इसके लिए संसाधन कहां से आएंगे, इसका राज्य की अर्थव्यवस्था पर क्या असर पड़ेगा, इसे लेकर किसी में चिंता नहीं दिखाई देती है। मसलन, चुनावों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत करीब सवा करोड़ महिलाओं को दस-दस हजार रुपए की राशि दी गई, जिससे राज्य के खजाने से बारह हजार करोड़ रुपए से ज्यादा व्यय हुए। इसी तरह, बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली, जीविका, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में बढ़ोतरी की घोषणा की गई। दूसरी ओर, विपक्षी महागठबंधन की ओर से सबसे बड़ी घोषणा हर परिव्वर से एक को सरकारी नौकरी देने की हुई। इसके अलावा, हर जीविका दीदी को तीस हजार रुपए वेतन और अस्थायी कर्मचारियों को नियमित करने का वादा किया गया। जो घोषणाएं सत्ता और विपक्षी दलों ने बिहार के लोगों के लिए की हैं, उनकी जरूरत दरअसल इसलिए पड़ी कि राज्य में अब तक जरूरत के मुताबिक सरकारी कल्याण कार्यक्रम पूरे नहीं किए गए, व्यापक बेरोजगारी गंभीर समस्या बनी हुई है और एक बड़ी आबादी के लिए अभाव का सामना करना एक रोजमर्रा की मुश्किल है। सवाल है कि सभी दलों को आखिर इस तरह के वादे या घोषणाएं करने की जरूरत तभी क्यों पड़ती है, जब चुनाव सिर पर होते हैं। सत्ता में रहते हुए उनकी प्राथमिकताएं आम जनता के बजाय कुछ और क्यों हो जाती हैं? यह एक आम हकीकत है कि अगर सरकार के सामने बेरोजगारी या अन्य समस्याओं का जिक्र किया जाता है तो वह धन की कमी का रोना रोने लगती है। फिर चुनावी सौदेबाजी के तहत परोसी जाने वाली मुफ्त की सुविधाओं के लिए धन और संसाधन कहां से आ जाते हैं ? हालांकि एक पक्ष यह भी है कि अगर कोई भी सरकार ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम करे, तो वह नागरिकों को आर्थिक-सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के लिए बिना अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाए सब कुछ कर सकती है, लेकिन यह इस पर निर्भर करता है कि कल्याण कार्यक्रमों का स्वरूप क्या है। अगर कोई सुविधा आम जनता को मुफ्त मुहैया कराई जाती है तो किसी न किसी रूप में उसकी कीमत लोगों को ही चुकानी पड़ती है।

जानलेवा सफर

राजस्थान के जैसलमेर में हुए भयावह बस हादसे से लोग अभी उबरे भी नहीं थे कि आंध्र प्रदेश के कुरनूल में ठीक उसी तरह हई दुर्घटना ने सभी को झकझोर दिया। इन हादसों को जोड़ कर देखें, तो परिवहन विभागों में भ्रष्टाचार की कई परतें दिखाई देती हैं। दोनों घटनाओं में बस के आपात द्वार नहीं खुलने की बात सामने आई है। यह बेहद चिंता की बात है कि कई यात्री बसें अवैध तरीके से वातानुकूलित बना कर चलाई जा रही है इनकी कभी कोई जांच नहीं होती। यहां तक कि अग्नि सुरक्षा के न्यूनतम उपाय भी नहीं किए जाते हैं। मोटर वाहन कानून में कमियों का फायदा जिस तरह से बस मालिकों ने उठाया है, उसी का परिणाम है कि आज हजारों यात्री जान जोखिम में डाल कर इन बसों में सफर कर रहे हैं। गौरतलब है कि ऐसी कई बसें चल रही है, जिनका पंजीकरण किसी राज्य में, तो फिटनेस प्रमाणपत्र किसी दूसरे राज्य से लिया गया है। कुरनूल हादसे के बाद यह बात उजागर हुई है। स्पष्ट है कि राज्यों में तालमेल की कमी और मोटर वाहन कानून में सख्त प्रावधान न होने से सामान्य नियमों तक में खुला उल्लंघन हो रहा है। गौरतलब है कि वाहनों में आधुनिक तकनीक से लैस स्वचालित दरवाजे भी यात्रियों के लिए खतरनाक साबित हैं। कारों में आग लगने पर कई बार ऐसा हुआ कि यात्री उसी में फंसे रह गए। वहीं लंबी दूरी की बसों में प्रायः एक दरवाजा होने के कारण जिंदगी बचाने का कोई रास्ता नहीं मिलता। हादसे के दौरान या आग लगने की स्थिति में स्वचालित दरवाजे आमतौर पर काम करना बंद कर देते हैं। और नहीं खुलते। जैसलमेर और कुरनूल हादसे में यही हुआ । शार्ट सर्किट के कारण उस बस का स्वचालित दरवाजा नहीं खुला। वाहनों के दरवाजों के खुलने या बंद होने को लेकर आधुनिक तकनीक सुविधाजनक हो सकती है, लेकिन इसके जोखिम भी उतने ही घातक हैं। अब कार, बस से लेकर अपने घरों तक में लोग सुरक्षा घेरा मजबूत करने के लिए आधुनिक तकनीकी वाले स्वचालित दरवाजे लगवाते तो हैं, लेकिन किसी हादसे के वक्त वही सुविधा जानलेवा बन जाती है। राजमार्गों पर बिना सुरक्षा उपायों के और नियमों की धज्जियां उड़ाती दौड़ रहीं बसों की नियमित जांच न कर परिवहन विभागों ने भी मानो खुली छूट दी हुई है।

राजस्थान में एक जैसी स्कूल यूनिफॉर्म, बिना टाई -अब टीचर्स की ड्रेस कोड भी तय होगा, राष्ट्रगान से खुलेगा और राष्ट्रगीत से बंद होगा कार्यालय

24 न्यूज अपडेट

कोटा। राजस्थान सरकार ने स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था को अनुशासित और एकरूप बनाने के लिए बड़ा निर्णय लिया है। राज्य के सरकारी और निजी स्कूलों की यूनिफॉर्म अब एक जैसी होगी, जिसमें टाई शामिल नहीं होगी। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बताया कि आगे चलकर शिक्षकों के लिए भी यूनिफॉर्म निर्धारित की जाएगी और सभी अध्यापकों को आईडी कार्ड पहनना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए भी परिचय पत्र (आईडी कार्ड) आवश्यक किया जाएगा ताकि सुरक्षा और अनुशासन दोनों सुनिश्चित हो सकें। दिलावर ने यह भी घोषणा की कि अब से शिक्षा सत्र 1 अप्रैल से शुरू होगा, जिससे छात्रों को समय पर किताबें मिल सकेंगी और वे गर्मियों की छुट्टियों में पढ़ाई की तैयारी कर सकेंगे। पहले सत्र 1 जुलाई से आरंभ होता था। शिक्षा मंत्री ने बताया कि उनके अधीन आने वाले पंचायती राज, शिक्षा और संस्कृत विभागों के सभी कार्यालय अब राष्ट्रगान से शुरू और राष्ट्रगीत से बंद होंगे। इससे सरकारी कर्मचारियों में राष्ट्रीय भावना और अनुशासन की भावना मजबूत होगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जल्द ही ऐसी व्यवस्था लागू की जाएगी, जिसके तहत विद्यार्थियों के स्कूल पहुंचते ही उनकी उपस्थिति की सूचना शाला दर्पण पोर्टल के माध्यम से अभिभावकों को मिलेगी। अगर कोई बच्चा स्कूल नहीं पहुंचता, तो अभिभावकों को तुरंत संदेश भेजा जाएगा। दिलावर ने कहा कि यह कदम अभिभावकों की निगरानी बढ़ाने और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

उदयपुर में अवैध बायोडीजल का रैकेट ध्वस्त

भूमिगत टैंक और पेट्रोल पंप मशीन लगाकर हो रही थी बिक्री, डीएसटी और टीडी पुलिस ने एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 27 अक्टूबर। उदयपुर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अवैध बायोडीजल के भंडारण और बिक्री के विरुद्ध चलाए गए अभियान के तहत डीएसटी और थाना टीडी ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई में अवैध रूप से बायोडीजल बेचते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया और मौके से दो बायोडीजल से भरे टैंक जब्त किए गए।

पेट्रोल पंप जैसी व्यवस्था बनाकर हो रही थी बिक्री

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण गोपाल स्वरूप मेवाड़ा और वृताधिकारी गिर्वा सूर्यवीर सिंह राठौड़ के सुपरविजन में एससी एस टी सेल के पुलिस उप अधीक्षक महिपाल सिंह और थानाधिकारी टीडी देवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम ने टीडी की नाल में स्थित रामदेव होटल के पास दबिश दी।

टीम ने रामदेव होटल के पीछे पाया कि एक भूमिगत टैंक पर पेट्रोल पंप मशीन लगाकर वाहनों में अवैध रूप से पेट्रोलियम पदार्थ भरा जा रहा था। मशीन पर स्पष्ट रूप से BIO DIESEL लिखा हुआ था और यह मशीन चुनाव करके स्थाई रूप से लगाई गई थी, जिस पर अमाउंट, रेट और मात्रा की डिस्प्ले लगी थी।

पुलिस टीम ने मौके पर रसद अधिकारियो प्रवर्तन अधिकारी डॉ. निशा मुन्दड़ा और सीनियर एरिया सेल्स मैनेजर श्रवण पुडी को बुलाया। टीम ने भूमिगत टैंक से पेट्रोलियम पदार्थ बाहर निकाला और दो लोहे के ड्रमों में भरा, जिसकी कुल मात्रा 440 लीटर (प्रति ड्रम 220 लीटर) पाई गई। मौके पर मिले व्यक्ति ने अपना नाम नवीन प्रकाश पुत्र मोहनलाल निवासी बनोडा, सलुम्बर बताया।

जिसने खुलासा किया कि वह यह पेट्रोलियम पदार्थ दस्तक कंपनी से लाकर अवैध रूप से बेच रहा था। बायोडीजल का अवैध भंडारण और बिक्री दंडनीय अपराध होने के कारण, पुलिस ने नवीन प्रकाश को तत्काल गिरफ्तार कर लिया। टीम प्रभारी व सदस्यः- 01. श्री महिपाल सिंह पुलिस उप अधीक्षक एससी एसटी सैल। 02. श्री देवेन्द्र सिंह थानाधिकारी, टीडी। 03. श्री विक्रम सिंह स.उ.नि. डी.एस.टी.। 04. श्री श्री हितेन्द्र सिंह हैड कानि. डी.एस.टी.। 05. श्री गणेश सिंह हैड कानि. डी.एस.टी. । 06. श्री योगेश कुमार हैड कानि. डी.एस.टी.। 07. श्री भंवरलाल हैड कानि. डी.एस.टी. । 08. श्री करतार सिंह हैड कानि. डी.एस.टी.। 09. श्री कमलेश जाखड कानि. डी.एस.टी. । 10. श्री शक्ति सिंह कानि. डी.एस.टी. । 11. श्री सुमित कुमार कानि. डी.एस.टी.। 12. श्री कृष्ण कुमार चालक कानि. डी.एस.टी.। 13. श्री नारायणलाल स.उ.नि. थाना टीडी। 14. श्री चिराग कानि. 940 थाना टीडी। 15. श्री अनिल कानि. 3193 थाना टीडी। 16. श्री अनिल कुमार कानि. 1748 थाना टीडी।

सायरा में पुलिस पर पथराव मामले में बाप का प्रदर्शन, डीएसपी को हटाने की मांग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर जिले के सायरा क्षेत्र में चार दिन पहले हुए पुलिस पर पथराव प्रकरण को लेकर सोमवार को भारतीय ट्राइबल पार्टी (बाप) के कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने गिर्वा डीएसपी सूर्यवीर सिंह के खिलाफ कार्रवाई और उन्हें पद से हटाने की मांग उठाई।

बारिश के बावजूद प्रदर्शन में जुटे कार्यकर्ताओं ने उदयपुर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और कहा कि पथराव की घटना के पीछे ग्रामीणों की न्याय की मांग थी, जिसे पुलिस ने गलत तरीके से पेश किया। डीएसपी पर जातिगत अपशब्द और मारपीट के आरोप प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सड़क हादसे के बाद जब ग्रामीण मृतक के परिजनों को न्याय और मुआवजा दिलाने की मांग कर रहे थे, तब डीएसपी सूर्यवीर सिंह ने न केवल अपशब्द बोले बल्कि जातिगत टिप्पणियां करते हुए मारपीट की। आरोप यह भी लगाया गया कि विरोध कर रहे लोगों के वाहनों में पुलिस ने जानबूझकर तोड़फोड़ की।

निष्पक्ष जांच की मांग

बाप नेता कांतिलाल रोत ने कहा कि पुलिस ने मामले को निष्पक्षता से नहीं संभाला, बल्कि इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण में कई निर्दोष ग्रामीणों को फंसाया जा रहा है, जिन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। बाप ने घटना की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए दोषी पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की।

बरवाड़ा हाईवे पर हादसे के बाद भड़की थी घटना

गौरतलब है कि 23 अक्टूबर को उदयपुर की कटार ग्राम पंचायत के बरवाड़ा हाईवे पर सड़क हादसे में अंबालाल गमेती (28) नामक युवक की मौत हो गई थी। वह मजदूरी करने जा रहा था, तभी पीछे से आ रही एक कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। कार चालक मौके से फरार हो गया था, बाद में उसे पुलिस ने डिटेन कर लिया। हादसे के बाद मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। पुलिस द्वारा समझाइश देने के प्रयास के दौरान भीड़ उग्र हो गई और पथराव करने लगी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को तितर-बितर किया। इस दौरान 29 लोगों को गिरफ्तार कर 52 वाहन जब्त किए गए थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का सघन गृह संपर्क अभियान हुआ प्रारंभ

24 न्यूज अपडेट

संतश्री भारत गिरी महाराज व वरिष्ठ स्वयं सेवकों ने किया पुस्तक एवं पत्रक का विमोचन

निंबाहेड़ा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संघ द्वारा देशभर में चलाए जा रहे सघन गृह संपर्क अभियान का शुभारंभ निंबाहेड़ा नगर में बड़े उत्साह के साथ किया गया। नगर संघचालक शांतिलाल लोढ़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान की शुरुआत नगर के सब्जी मंडी के पास स्थित बालाजी मंदिर परिसर में संतश्री एवं संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में की गई। इस अवसर पर पुस्तक व कर पत्रक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में संतश्री भारत गिरी जी महाराज, प्रांत अधिकारी भूरा लाल तेली, जिला कार्यवाह महेश पुरोहित, सहित संघ के अनेक नगर एवं शाखा स्तर के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। संघचालक शांतिलाल जी ने बताया कि यह अभियान 26 अक्टूबर से 16 नवम्बर 2025 तक चलेगा। इस दौरान स्वयंसेवक नगर के प्रत्येक घर तक जाकर संघ का विचार और कार्यपद्धति को समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचाने का प्रयास करेंगे। अभियान का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक परिवारों तक संघ के 100 वर्षों की राष्ट्रसेवा यात्रा, संगठनात्मक कार्य और समाजहित के संदेश को पहुंचाया जा सके।

राष्ट्रीय बाल पुरुस्कार से सम्मानित मास्टर अरव का हुआ खेरवाड़ा आगमन

24 न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित 13 वर्षीय मास्टर अरव भारद्वाज की एकता के शिल्पी को नमन साइकिल यात्रा सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वी जयंती के उपलक्ष में नई दिल्ली से गुजरात स्थित स्टैचू ऑफ यूनिटी तक लगभग 1250 किलोमीटर की दूरी तय कर रही है । इस अवसर पर आज सोमवार को प्रातः कस्बे के नजदीक राष्ट्रीय राज मार्ग संख्या 48 पर स्थित अतिथि होटल मोथली चौराहे पर मास्टर अरव भारद्वाज का संयुक्त व्यापार महासंघ के अध्यक्ष अमित कलाल के नेतृत्व में स्वयं सेवी संस्थाओं, कस्बावासियों द्वारा स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है कि सरदार पटेल को समर्पित यह यात्रा नई दिल्ली से 19 अक्टूबर को प्रारंभ हुई थी एवं 30 अक्टूबर 2025 को गुजरात के स्टैचू ऑफ यूनिटी पर संपन्न होगी। अरव 31 अक्टूबर को वहां पहुंचकर सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

अरव भारद्वाज ने बताया कि वह राष्ट्र की एकता और युवाओं को प्रेरित करने के लिए यह यात्रा कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि अरव को 26 दिसंबर 2024 को राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 खेल श्रेणी प्रदान किया गया था। अब तक की यह उनकी तीसरी बड़ी साइकिल यात्रा है। 2024 में हुए कारगिल विजय की रजत जयंती पर 1251 किलोमीटर की साइकिल यात्रा एवं 2022 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर 2612 किलोमीटर की यात्रा कर चुके हैं। वर्तमान यात्रा का मार्ग नई दिल्ली, गुरुग्राम,जयपुर, अजमेर, उदयपुर, हिम्मतनगर,अहमदाबाद,बड़ौदा होकर स्टैचू ऑफ यूनिटी तक रहेगा। अरव ने अपने अगले गंतव्य स्थल के लिए प्रस्थान किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े मंगलवार को उदयपुर आएंगे

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 अक्टूबर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े मंगलवार को सायं 5:15 बजे वायुयान द्वारा उदयपुर आएंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल श्री बागड़े मंगलवार शाम विमान से डबोक एयरपोर्ट पहुंचेगें यहां से सड़क मार्ग द्वारा पद्मपत सिंधानिया विश्वविद्यालय, भटेवर के लिए प्रस्थान करेंगे। विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के पश्चात श्री बागड़े चित्तौड़गढ़ के लिए प्रस्थान करेंगे। राज्यपाल श्री बागड़े 29 एवं 30 अक्टूबर को चित्तौड़गढ़ और कोटा प्रवास पर रहेंगे। 30 अक्टूबर को रात्रि 8:40 बजे सड़क मार्ग द्वारा महाराणा प्रताप एयरपोर्ट, डबोक आकर 8:45 बजे वायुयान द्वारा जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

VDO-भर्ती परीक्षा 2 नवंबर को,कल मिलेगी जिले की सूचना:850 पदों पर होगा एग्जाम; एंट्री कार्ड 30 अक्टूबर से कर सकेंगे डाउनलोड

24 न्यूज अपडेट

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ग्राम विकास अधिकारी (VDO) भर्ती के लिए परीक्षा 2 नवंबर को आयोजित होगी। परीक्षा का कार्यक्रम जारी करते हुए बोर्ड अभ्यर्थियों को जिलों का आवंटन कल किया जाएगा, जबकि अभ्यर्थी अपना ई-प्रवेश पत्र (एंट्री कार्ड) एग्जाम से तीन दिन पहले अपने एसएसओ आईडी से डाउनलोड कर सकेंगे।

बोर्ड की ओर से जारी शेड्यूल के मुताबिक एग्जाम 2 नवंबर को सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक होगा। ऐसे में अभ्यर्थियों का एग्जाम सेंटर किस जिले में आएगा, ये कल यानी 28 अक्टूबर को पता चल सकेगा। 28 अक्टूबर से अभ्यर्थी अपने एसएसओ अकाउंट पर जिले का आवंटन देख सकेंगे।

जबकि 30 अक्टूबर को एसएसओ अकाउंट पर अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र अपलोड कर दिए जाएंगे, जिसे अभ्यर्थी डाउनलोड कर सकेंगे। इस एग्जाम के लिए करीब 5.50 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

ड्रेस कोड जारी, गर्म कपड़े पहनकर आ सकेंगे अभ्यर्थी

इस परीक्षा में आगामी सर्दियों को देखते हुए बोर्ड प्रशासन ने गर्म कपड़ों को पहनकर आने की अनुमति दी है। इसके तहत अभ्यर्थी स्वेटर, कोट, पूरी बाहों के गर्म कपड़े (जिनमें मेटल के बटन नहीं लगे हो) पहनकर आ सकेंगे।

इसके अलावा हवाई चप्पल, सैंडल, जूते-मोजे के अलावा पुरूष आधी और पूरी आस्तीन की शर्ट, टी-शर्ट महिला अभ्यर्थी सलवार-सूट, साड़ी, आधी-पूरी आस्तीन का शर्ट, टी-शर्ट पहनकर आ सकते है। वहीं, हाथों में कांच की चूड़ियां भी पहनकर आने की अनुमति होगी।

7 साल बाद RPSC फिर शुरू करेगा ऑनलाइन परीक्षाएं:आयुष विभाग में लेक्चरर भर्ती से होगी शुरुआत, 9 पदों पर वैकेंसी के लिए 12 जनवरी को एग्जाम

24 न्यूज अपडेट

राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की ओर से निकाली गई लेक्चरर (आयुष विभाग) भर्ती-2025 का परीक्षा कार्यक्रम जारी किया गया है। परीक्षा ऑनलाइन (कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट) माध्यम से आयोजित की जाएगी। आरपीएससी की ओर से 7 साल बाद ऑनलाइन परीक्षा फिर शुरू की जाएगी।

यह भर्ती नौ पदों पर होनी है। यह परीक्षा 12 जनवरी 2026 को दोपहर 12 से 2:30 बजे तक आठ अलग-अलग विषयों के लिए आयोजित की जाएगी। इसमें अगद तंत्र, कायचिकित्सा, पंचकर्म, प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग, शालाक्य तंत्र, कौमारभृत्य, संहिता (मौलिक सिद्धांत), स्वस्थवृत्त शामिल हैं।

आरपीएससी ने पात्र आवेदकों से 21 मार्च 2025 तक आवेदन मांगे थे। परीक्षा 9 पदों के लिए होगी।

2011 में शुरू की थी ऑनलाइन परीक्षा, 2018 तक हुई थी

आयोग की ओर से ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन पहले वर्ष 2011 से शुरू किया गया था। आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक आयोग की ओर से वर्ष 2011 से 2018 तक 150 से अधिक ऑनलाइन परीक्षाएं आयोजित करवाई गई थीं। इनमें अभ्यर्थियों की अधिकतम संख्या प्रति सत्र 15 हजार तक थीं।

सॉफ्टवेयर भी विकसित किया था

ऑनलाइन परीक्षा की विश्वसनीयता और पारदर्शिता की जांच के लिए आयोग ने 2013 में 'माई एग्जाम-माई ऑनलाइन रिव्यू यस' सॉफ्टवेयर भी बनाया था। इसका उपयोग अभ्यर्थी अपनी ऑनलाइन परीक्षा की समीक्षा के लिए कर रहे थे। इससे पहले अभ्यर्थियों के पास अपनी ऑनलाइन परीक्षा की समीक्षा करने का कोई साधन नहीं था।

सांख्यिकी अधिकारी के 113 पदों पर आवेदन कल से शुरू:26 नवंबर तक ही अप्लाई कर सकते हैं

24 न्यूज अपडेट

राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) सांख्यिकी विभाग में सांख्यिकी अधिकारी के 113 रिक्त पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। आवेदन 28 अक्टूबर से शुरू होंगे और 26 नवंबर तक ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। ऑफलाइन आवेदन मान्य नहीं होंगे। परीक्षा की तारीख और केंद्र की जानकारी बाद में दी जाएगी। उम्मीदवार की आयु 1 जनवरी 2026 को 21 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। 2023 में निकली भर्ती के बाद कोई नया विज्ञापन जारी नहीं हुआ था, इसलिए अधिक आयु वाले उम्मीदवारों को नियमों के अनुसार एक वर्ष की अतिरिक्त आयु छूट दी जाएगी।

ऐसे करें अप्लाई

अभ्यर्थियों को आयोग की वेबसाइट HTTPS://RPSC.RAJASTHAN.GOV.IN पर क्लिक करना होगा या SSO पोर्टल HTTPS://SSO.RAJASTHAN.GOV.IN से लॉगिन करना होगा।

इसके बाद सिटिजन ऐप (G2C) में अवेलेबल रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) करना होगा।

पहली बार OTR करने के लिए अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, जन्म तिथि, लिंग, सेकेंडरी/समकक्ष परीक्षा और आधार कार्ड/पैन कार्ड/वोटर कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस में से किसी एक आईडी प्रूफ का डिटेल और डॉक्यूमेंट अपलोड करना अनिवार्य है।

लॉगिन कर सिटिजन ऐप (G2C) में उपलब्ध रिक्रूटमेंट का चयन कर अपने OTR नंबर के आधार पर ऑनलाइन आवेदन करें।

वन टाइम रजिस्ट्रेशन करने के बाद OTR प्रोफाइल में किसी भी प्रकार का संशोधन किया जाना संभव नहीं होगा।

रेल मंत्रालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 की शुरुआत

"सतर्कता: हमारी साझा ज़िम्मेदारी" थीम के साथ रेलवे बोर्ड में ईमानदारी की शपथ

24 न्यूज अपडेट

ई दिल्ली, 27 अक्टूबर। रेल मंत्रालय ने सोमवार को सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 (27 अक्टूबर से 2 नवंबर) की शुरुआत की। कार्यक्रम की शुरुआत रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार द्वारा सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाकर की गई। इस वर्ष का विषय "सतर्कता: हमारी साझा ज़िम्मेदारी" रखा गया है, जो शासन में नैतिक आचरण, पारदर्शिता और सामूहिक जिम्मेदारी पर बल देता है। शपथ समारोह में मंत्रालय के विभिन्न निदेशालयों के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी प्रत्यक्ष एवं आभासी रूप से शामिल हुए। अपने संबोधन में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि सतर्कता सुशासन की आत्मा है, जो प्रशासनिक व्यवस्था में ईमानदारी, दक्षता और जनसेवा के मूल्यों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे ने पारदर्शिता बढ़ाने और कदाचार की संभावना घटाने के लिए कई डिजिटल और प्रणालीगत सुधार लागू किए हैं। रेलवे बोर्ड का सतर्कता निदेशालय इस सप्ताह के दौरान सेमिनार, कार्यशालाएं, पोस्टर अभियान और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करेगा। इन गतिविधियों का उद्देश्य लोक प्रशासन में निवारक सतर्कता, नैतिकता और जवाबदेही की भावना को बढ़ावा देना है। रेल मंत्रालय यह सप्ताह केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) द्वारा घोषित राष्ट्रव्यापी सतर्कता जागरूकता अभियान के अनुरूप मना रहा है, जिसका लक्ष्य भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी और जिम्मेदार शासन व्यवस्था का निर्माण है।

राजस्थान पुलिस की अपील: जीवन प्रमाण पत्र अपडेट के नाम पर ओटीपी और रिमोट एक्सेस साझा न करें

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 27 अक्टूबर। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और आमजन में जागरूकता लाने के उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। यह सलाह पेंशन धारकों को संभावित साइबर अपराध से सचेत करने के लिए दी जाती है, क्योंकि आजकल साइबर अपराधियों द्वारा पेंशन निदेशालय से जुड़े जीवन प्रमाण पत्र को ऑनलाइन अपडेट करने के बहाने नई तरह की धोखाधड़ी को अंजाम दिया जा रहा है।

उपमहानिरीक्षक पुलिस साइबर क्राइम श्री विकास शर्मा ने बताया कि जालसाज स्वयं को पेंशन कार्यालय या संबंधित विभाग का कर्मचारी बताते हुए पेंशन धारकों को कॉल करते हैं। वे पहले पेंशन धारकों से उनकी नियुक्ति, सेवानिवृत्ति दिनांक, पीपीओ नंबर, आधार कार्ड संख्या, स्थायी पता, मासिक पेंशन और नॉमिनी जैसी पूरी जानकारी हासिल कर लेते हैं।

डेटा प्राप्त करने के बाद वे पेंशन धारकों को उनका जीवन प्रमाण पत्र अपडेट करने का झांसा देते हैं और उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर आए ओटीपी को तुरंत साझा करने के लिए कहते हैं। एक बार जब पेंशन धारक ओटीपी साझा कर देते हैं, तो साइबर ठग उन्हें फर्जी लिंक या ऐप (जैसे ANYDESK या QUICKSUPPORT) भेजकर उनके मोबाइल/लेपटॉप/कंप्यूटर का रिमोट एक्सेस ले लेते हैं। रिमोट एक्सेस मिलते ही, जालसाजों को पेंशन धारक के बैंक खाते का डायरेक्ट एक्सेस मिल जाता है, जिसके बाद वे खाते में जमा समस्त राशि को तुरन्त दूसरे फर्जी बैंक खातों या वॉलेट में स्थानांतरित कर देते हैं।

नागरिकों के लिए सुरक्षा उपाय पेंशन धारकों को यह हमेशा याद रखना चाहिए कि पेंशन निदेशालय कभी भी किसी भी पेंशन धारक को उनका जीवन प्रमाण पत्र ऑनलाइन अपडेट करने के लिए कॉल नहीं करता है और न ही स्वयं ऑनलाइन जीवन प्रमाण पत्र अपडेट करता है।

ऑनलाइन जीवन प्रमाण पत्र अपडेट करने की प्रक्रिया केवल अधिकृत ई-मित्र केंद्रों द्वारा ही की जाती है। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे किसी भी अज्ञात कॉल करने वाले व्यक्ति को अपनी बैंक जानकारी, ओटीपी, या पेंशन आईडी कभी भी साझा न करें। जीवन प्रमाण पत्र केवल अधिकृत वेबसाइट (HTTPS://JEEVANPRAMAAN.GOV.IN) पर ही जमा करें और किसी भी अनजान लिंक या मोबाइल ऐप को डाउनलोड करने से पहले उसकी सत्यता का पूरी तरह सत्यापन करें। किसी भी अंजान कॉल पर यदि दबाव बनाया जाए या डराया जाए तो तुरंत कॉल काट दें।

डीआईजी श्री शर्मा ने बताया कि यदि किसी पेंशन धारक के साथ इस प्रकार की घटना होती है, तो इसकी सूचना तुरंत निकटतम पुलिस स्टेशन/साइबर पुलिस स्टेशन, साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल HTTPS://CYBERCRIME.GOV.IN/, साइबर हेल्प लाईन नम्बर 1930 या साइबर हेल्पडेस्क नंबर 9256001930/9257510100 पर देनी चाहिए।

लॉरेन्स विश्नोई गैंग का सक्रिय गैंगस्टर अमेरिका में डिटेन, वर्तमान में रोहित गोदारा गैंग का है सदस्य

एजीटीएफ की निगरानी के बाद कुख्यात अपराधी जगदीप सिंह उर्फ जग्गा गिरफ्तार, प्रत्यर्पण की प्रक्रिया जारी

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 27 अक्टूबर। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स को संगठित अपराध के विरूद्ध एक बड़ी सफलता मिली है। लॉरेन्स विश्नोई गैंग के सक्रिय और वर्तमान में रोहित गोदारा गैंग से संबंध रखने वाले कुख्यात गैंगस्टर जगदीप सिंह उर्फ जग्गा निवासी धुरकोट जिला मोंगा पंजाब को अमेरिका में डिटेन कर लिया गया है। यह गैंगस्टर लंबे समय से विदेशों में बैठकर भारत में आपराधिक गतिविधियां संचालित कर रहा था।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स/एटीएस/एएनटीएफ श्री दिनेश एम.एन. के निर्देशन में एजीटीएफ ने इस कुख्यात अपराधी पर लगातार निगरानी रखी हुई थी। जग्गा लॉरेन्स विश्नोई गैंग के लिए विशेष रूप से पंजाब और राजस्थान में सक्रिय था और विदेश में रहकर गैंग के लिए एक्सटोर्शन और फायरिंग की घटनाओं में संलिप्त रहा है। तीन वर्ष पूर्व यह अपने पासपोर्ट पर दुबई भाग गया था और बाद में अवैध रूप से अमेरिका में चला गया। राजस्थान में विभिन्न प्रकरणों में बेल जंप होने के कारण इसके खिलाफ वारंट जारी किए गए।

राजस्थान और पंजाब में दर्ज हैं मुकदमे जगदीप सिंह उर्फ जग्गा धुरकोट पर पंजाब राज्य में एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं और उसे न्यायालय द्वारा उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया है। राजस्थान में भी उसके विरूद्ध जोधपुर के पुलिस थाना प्रताप नगर और सरदारपुरा में प्रकरण पंजीबद्ध हैं, जिनमें न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए थे।

जग्गा मार्च 2017 में प्रताप नगर थाना क्षेत्र में डॉ. सुनिल चन्डक पर फायरिंग करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में शामिल था, सितम्बर 2017 में वह जोधपुर के सरदारपुरा थाना क्षेत्र में वासुदेव इसरानी के मर्डर में लॉरेन्स विश्नोई और अनमोल विश्नोई के साथ जेल में बंद रहा था। एजीटीएफ की सफल निगरानी और समन्वय एजीटीएफ टीम ने तत्कालीन उप महानिरीक्षक पुलिस श्री योगेश यादव और वर्तमान उप महानिरीक्षक पुलिस श्री दीपक भार्गव के सुपरविजन में जग्गा के देसी ठिकानों पर दबिश दी गई। बाद में विदेशी नेटवर्क की विस्तृत जानकारी जुटाकर संबंधित अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से समन्वय स्थापित किया गया। इस प्रयास के बाद जग्गा को कनाड़ा-यूएसए बार्डर के समीप यूएसए ICE द्वारा डिटेन कर लिया गया। भारत प्रत्यर्पण और आगे की कार्रवाई गैंगस्टर जगदीप सिंह उर्फ जग्गा धुरकोट फिलहाल यूएसए पुलिस की हिरासत में है। उसे भारत में प्रत्यर्पित करने के लिए सक्षम स्तर पर विधिक कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। प्रत्यर्पण के बाद एजीटीएफ को जग्गा से जुड़े अन्य गैंग के सदस्यों की जानकारी मिलने की उम्मीद है।

जिसके आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 111 के अन्तर्गत अन्य प्रकरण दर्ज कर संगठित अपराध से जुड़े व्यक्तियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

कार्यवाही में शामिल एजीटीएफ टीम सदस्य: अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सिद्वान्त शर्मा, श्री नरोतम वर्मा, पुलिस निरीक्षक श्री रविन्द्र प्रताप, श्री सुनील जांगिड़, श्री मनीष शर्मा, श्री कमल पुरी, हेड कांस्टेबल श्री रमेश कुमार और कांस्टेबल श्री सुभाषचन्द, और श्री सुरेन्द्र कुमार शामिल थे।

पत्नी और उसके प्रेमी से परेशान वकील ने खाया ज़हर, इलाज के दौरान मौत - सुसाइड नोट में लिखा, "मेरे बच्चों को उनकी मां के पास मत भेजना"

24 न्यूज अपडेट

बरेली। पत्नी के अवैध संबंधों और लगातार धमकियों से परेशान एक वकील ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। घटना कैंट थाना क्षेत्र के चनेहटी की है। मृतक की पहचान कमल कुमार सागर (35 वर्ष) के रूप में हुई है। उन्हें गंभीर हालत में गुड लाइफ हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, कमल की पत्नी कोमल तीन महीने पहले अपने प्रेमी विशाल (झनझना, शामली) के साथ भाग गई थी। तब से वकील डिप्रेशन में थे। बताया जा रहा है कि विशाल और कोमल दोनों ही उन्हें झूठे केस में फंसाने और जान से मारने की धमकी दे रहे थे।

सुसाइड नोट में दर्द भरी दास्तान

कमल ने जहर खाने से पहले एक सुसाइड नोट लिखा, जिसमें लिखा— "मेरी पत्नी दो मासूम बच्चों को छोड़कर अपने प्रेमी के साथ चली गई है। तीन महीने से उसी के साथ रह रही है। वह मुझे झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देती है। मैं मानसिक रूप से टूट चुका हूं, इसलिए आत्महत्या कर रहा हूं। मेरी मौत के बाद मेरे बच्चों को उनकी मां के पास किसी भी कीमत पर मत भेजना, वरना उनके साथ भी अनहोनी हो सकती है।" कमल ने सुसाइड नोट के साथ पत्नी और उसके प्रेमी की कुछ तस्वीरें व चैट के स्क्रीनशॉट भी छोड़े हैं।

2017 में हुई थी शादी, दो मासूम बच्चे कमल की शादी 19 नवंबर 2017 को कोमल से हुई थी। उनके दो बेटे — दिव्यांश (5.5 वर्ष) और शिवांश (3.5 वर्ष) हैं। परिजनों का कहना है कि कमल पेशे से वकील थे और रोज़ ऐसे ही मामलों को अदालत में देखते थे, लेकिन उन्हें अंदाजा नहीं था कि वही हाल उनके साथ हो जाएगा।

परिजनों ने लगाया गंभीर आरोप

कमल के पिता राजेंद्र सागर ने बताया, "मेरी बहू छह महीने से इंस्टाग्राम पर शामली निवासी विशाल से बातचीत कर रही थी। तीन महीने पहले वो मायके गई और वहीं से प्रेमी के पास चली गई। उसने मेरे बेटे को फोन कर कहा कि तलाक चाहिए और प्लॉट बेचकर उसका पैसा दो। विशाल ने भी मेरे बेटे को धमकी दी थी कि तुझे रास्ते से हटा दूंगा।" कमल की बुआ ऊषा ने बताया, "वो पहले भी एक बार भाग चुकी थी, लेकिन 15 दिन बाद लौट आई थी। कमल कहता था — 'बुआ, अब मैं समाज को क्या मुंह दिखाऊंगा।'"

लड़की के पिता बोले— बेटी मुझे भी गालियां देती है कोमल के पिता ने बताया, "जब मैंने अपनी बेटी को समझाने की कोशिश की तो उसने मुझे भी गालियां दीं। अब वो पूरी तरह बदल चुकी है।" पुलिस ने सुसाइड नोट और डिजिटल सबूत अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। शव का पोस्टमार्टम कराकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रग-रग में भ्रष्टाचार : नोट कड़क, फर्जी सड़क, नेता-अफसर मिले हुए, लाठर की लाठी भी हो गई बेअसर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जब जेब में नोट कड़क हो तो सब कुछ संभव है। जहां नोटों की बारिश हो रही हो वहां पर नियमों की लाठी का कोई असर होता ही नहीं है। अफसर मस्त पड़े हुए भ्रष्टाचार के फास्ट फूड की जुगाली करते रहते हैं और नेता, जन प्रतिनिधि और सिस्टम के जिम्मेदार हंसते-मुस्कुराते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ उठ रही आवाजों के साथ मिलकर मजे लेते नजर आते हैं। वैसे तो नियम होते ही तोड़ने, मरोड़ने और कम पावर रखने वालों को दबाने के लिए हैं लेकिन जब बात प्राकृतिक संसाधनों के दोहन, पहाड़ों की हत्या और पर्यावरण के सत्यनाश की हो तब चुप नहीं रहा जा सकता। क्योंकि ये हमारी पीढ़ियों की असेट है किसी की बपौती नहीं। जो आज है वो कल तो नहीं रहेंगे मगर उनके कारनामे और सवाल सालों तक गूंजते रहेंगे। तात्कालिक लाभ के लिए बनाए गए नेता-अफसर और जन प्रतिनिधियों के नेक्ससर के किस्से इतिहास में दर्ज होकर अमर जरूर हो जाएंगे। शहर की ताज अरावली होटल के पास बह रही अमरजोक नदी में भी कुछ ऐसा होता हुए साफ दिख रहा है। अचानक एक सड़क अवतरित हो गई, पहाड़ी काटने के आरोप लग गए। मगर सड़क किसने बनाई, यह किसी को नहीं पता। आप अपने मकान की परमिशन लेने जाते हैं तो पूछता है ना यूडीए कि सड़क कितने फिट की है? और सोचिये कि अगर कोई रिसोर्ट बन जाए और आप यूडीए से पूछें कि बताओ तो सही, कितने फिट सड़क के पास रिसोर्ट बना?? तो यूडीए आपको जवाब ही ना दे!! भाई, गजब मजाक है। उसके बाद मामला जब राज्य सूचना आयोग के पास चला पास जाए और आयोग नाराज होकर फटकार लगा कर तुरत सूचना दीजिए का फरमान सुनाए। तब भी कोई फर्क ना पड़े तो आप क्या कहियेगा? इस मामले में यही हुआ है। ताज अरावली के बाहर चकाचक सड़क बन गई। हर विभाग कह रहा है हमने नहीं बनाई, तो बनाई किसने इसका उत्तर जानना भी अब कठिन सवाल बन गया है। यूडीए अफसरों के ढीठ और चलताऊ रवैये पर मुख्य सूचना आयुक्त की फटकार लगी, सूचना न देने पर गंभीर लापरवाही मानते हुए 30 दिन में पूरी जानकारी उपलब्ध कराने के आदेश दिए। पर आदेश हवा हो गए। वाह, कितने निडर और आज्ञाकारी अफसर भर्ती किए हैं हमारे पॉलिटिकल सिस्टम ने!! एकदम ढाल बनकर खड़े हैं जनता और उस साधारण सड़क की सूचना के बीच। मुख्य सूचना आयुक्त मोहन

लाल लाठर साहब भी करें तो क्या करें?? 30 दिनों की मियाद बीते चार महीने होने आए हैं, कुछ और महीने बीत जाएंगे, उसके बाद शायद जुर्माने के अंतिम ब्रहमास्त्र का प्रयोग करने का मन बना ले। लेकिन ये सब हो क्यों रहा है? यूडीए क्या इतना करप्ट हो चुका है कि अफसर पूरी की पूरी सड़क को अपनी खांख में दबा कर बैठ गए हैं। नेताओं, जन प्रतिनिधियों के संरक्षण में महाभ्रष्टाचार के सुनियोजित तंत्र में यूडीए अफसरों ने लाठर साहब की लाठी का मजाक बना दिया। जो सूचना जन हित में जारी होनी थी, उस पर किसी बापर्दा सफेदपोश की तरह से हुजूर पहरेदारी कर रहे हैं। देश के जाने माने पत्रकार जयवंत भैरविया ने बताया कि 27 अगस्त को ही सूचना देने के आदेश आ गए, आज 27 अक्टूबर हो गया है। अब तक क्या यूडीए अफसर गुईयां छील रहे हैं। या फिर मलाई वाला को कोफ्ता खा रहे हैं। यूआईटी होटल का रास्ता पास कर रही है। वो ही नहीं बता रही कि रास्ता कितना लंबा, चौड़ा है? कहां बना है? किसने बनाया है? कहीं ऐसा तो नहीं कि झूठ की ये सेफ्टी वॉल ढह गई तो सूचना देने वाले अफसर खुद नप जाएंगे? सिस्टम का नंगापन सड़क पर आ जाएगा? वैसे तो पॉलिटिकल कनेक्शन इनके सभी दलों में तगड़े हैं मगर यह छोटी सी जानकारी मछली के कांटे की तरह गलफांस बन सकती है इसलिए जुर्मान के जोखिम की हद तक यूडीए के अफसर ताज अरावली के प्रति अपनी मुहोब्बत का इजहार करते नजर आ रहे हैं।

अब जान लीजिए मामले का क्या हे बेसिक

ताज अरावली होटल का नाम सुना होगा। उदयपुर में अमरजोक नदी में इसी होटल के लिए या होटल के द्वारा या फिर किन्हीं अलग प्लेनेट से आए एलियन द्वारा सड़क बनाने का मामला है। इस मामले में 12 बिंदुओं पर यूडीए से पत्रकार जयवंत भैरविया ने जानकारी मांगी थी हम दो बिन्दुओं पर चर्चा करते हैं। पहला, ताज अरावली होटल के बाहर अमरजोक नदी में सीमांकन संबंधी कार्यवाही क्या हुई। दूसरा, ताज अरावली होटल प्रबंधन ने जल संसाधन विभाग की कोडियात टनल के ऊपर पहाड़ी काटकर निर्माण कार्य किया, जिसके लिए यूडीए ने कथित रूप से स्वीकृति जारी की। इस संबंध में जारी की गई सभी स्वीकृतियों और दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां दीजिए। इन दो सवालों पर यूडीए को सांप सूंघ गया। आरटीआई की किसी अपील का कोई जवाब नहीं, राज्य आयोग में अपील पर सूचना देने के निर्णय के बावजूद भ्रष्ट अफसर टस से मस नहीं हो रहे। लाठर साहब कितना गुस्सा हुए होंगे यह आप भी पढ़ लीजिए, उन्होंने लिखा-"यूडीए की यह उदासीनता और लापरवाही चिंताजनक है। इसे गंभीरता से लिया गया है, और भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न करने की चेतावनी दी जाती है।"

एक है वोट बैंक, दूसरा नोट बैंक

मासमू सवाल-लगता है जनप्रतिनिधियों को किसी ने बताया नहीं

आपके शहर में एलियन सड़क बना गए और जन प्रतिनिधियो ंको किसी ने बताया नहीं, यह सवाल मासूमी के साथ हम भी पूछना चाहते हैं। यदि नहीं बताया और जनता की सेवा में वे इतने ज्यादा व्यस्त हैं कि टाइम ही नहीं मिल रहा, तो हमारी यह खबर ही पढ़ लें। पक्ष और विपक्ष अगर अपनी मिलीभगत की राजनीति से फुर्सत पा लें या काई पदाधिकारी, कार्यकर्ता यह खबर पढ़ लें तो वो भी उन तक यह खबर जरूर पहुंचा सकता है। मगर कोई करें तो क्या करें। एक होता है वोटबैंक और दूसरा होता है नोट बैंक। दोनों की परवाह करना इनकी मजबूरी है शायद।

ना गरजे ना कड़के, जमकर बरसे!!! उदयसागर के गेट खुलवाए, 1 नवंबर तक करेंगे 'मानसून टूरिज्म', खेतों में फसलें बर्बाद, क्या कह रहा है मौसम विभाग

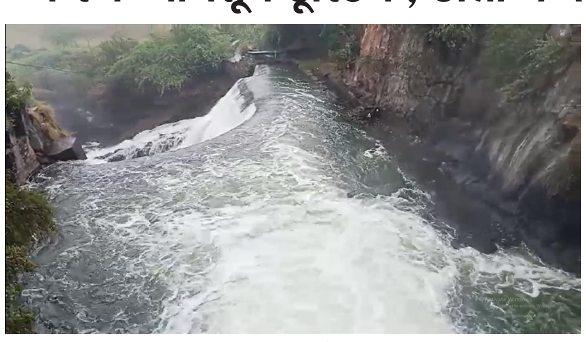

24 न्यूज अपडेट

लाभ पंचमी बीतते ही एक बार फिर लेकसिटी आज मानसून सिटी बन गई। बादलों के घूमर ने जनजीवन को अस्त व्यस्त कर दिया। आधी रात को लोगों की नींद तेज बारिश से खुल गई और यह सिलसिला देर शाम तक जारी है। बारिश है कि रूकने का नाम नहीं ले रही है। ना बिजली कड़क रही है, ना बादल गरज रहे हैं। बस अपनी ही धुन में इंद्रदेव बरस बरस कर स्कूल जाते बच्चे, नौकरीपेशा और कामकाजी लोगों पर जमकर बरस रहे हैं। इस बारिश का टेरर इतना है कि कुछ ही घंटों में प्रशासन को उदयसागर के दो दो गेट छह छह इंच खोलने पड़ गए। अलर्ट जारी करना पड़ गया। उदयपुर में बदला मौसम का मिज़ाज लोगों को हैरान कर रहा है। अभी तो दीपावली की सफाई में जुटे थे। कोने-कोन पर रंगाई-पुताई की थी। आधे से ज्यादा घरों में तो सजावट वाली लाइटें तक सजी हुई थी, फिर ना जाने कहां से ये बिन मौसम की धमाकेदार बारिश आ गई। मौसम विभाग ने उदयपुर सहित अन्य जिलों को ऑरेंज अलर्ट के दायरे में रखा है। याने कि जितना बरस गया है उतना कल भी और बरसने का अनुमान है। शहर की प्रमुख झीलों फतेहसागर, पिछोला और स्वरूप सागर भी छलकने के करीब हैं इसकी खबर कभी भी आने वाली है। लेकसिटी की बात करें तो यहां पर कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है। लेकसिटी के आसपास के सभी शहरों में भी जमकर बदरा बरस रहे हैं। डबोक से लेकर मावली और फतहनगर तक, गोगुंदा से झाड़ोल तक। वल्लभनगर भीण्डर से लेकर सलूम्बर तक रातभर बारिश होती रही और अभी भी हो रही है। बारिश का सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ा है। खेतों में खड़ी और कटी पड़ी मक्का, ज्वार और उड़द की फसलें भीग जाने से भारी नुकसान के समाचार मिल रहे हैं। राजस्थान मौसम केंद्र जयपुर ने उदयपुर, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और कोटा जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। अभी अभी मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि बंगाल की खाड़ी में बना गहरा अवदाब जिसका नाम 'रेमनेंट ऑफ साइक्लोन' बताया जा रहा है। अब और तेज़ होकर आंध्रप्रदेश तट की ओर बढ़ रहा है, जिसका असर राजस्थान के दक्षिणी भागों याने के हमारी लेकसिटी तक देखने को मिल रहा है। इसके अलावा अरब सागर में सक्रिय एक अन्य अवदाब और उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ क साझा असर होने वाला है। अगले 48 घंटे तक दक्षिण राजस्थान, कोटा, अजमेर, जोधपुर और जयपुर संभाग के कई जिलों में गरज-चमक और तेज़ हवाओं के साथ भारी बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग कह रहा है कि 29 अक्टूबर के बाद बारिश में कमी आएगी। हालांकि दक्षिणी राजस्थान के कुछ इलाकों में 1 नवंबर तक हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रह सकता है। याने अभी हम लेकसिटी वालों को 1 नवंबर तक चैन नहीं मिलने वाला है।

उमर फ़ारुख़ फ़ाउंडेशन ने पेश की इंसानियत की मिसाल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। एम.बी. हॉस्पिटल में दो महिलाओं की जान बचाकर उमर फ़ारुख़ फ़ाउंडेशन ने एक बार फिर मानवता का संदेश दिया। पहला मामला सवीना निवासी राबीना पत्नी कालू ख़ान का था, जिन्हें डिलीवरी के दौरान O- (O NEGATIVE) ब्लड की तत्काल ज़रूरत थी। दूसरा मामला मुमताज़ बानो पत्नी मुबारिक ख़ान का रहा, जिन्हें ऑपरेशन के दौरान A+ ब्लड की आवश्यकता थी। दोनों ही परिस्थितियों में फ़ाउंडेशन के सदस्य मो. नदीम (आर्मी कैंटीन, महावतवाड़ी) और मो. अक़रम ख़ान (फ़ारुख़-ए-आज़म कॉलोनी) ने तत्काल रक्तदान कर दोनों महिलाओं की ज़िंदगी बचाने में अहम भूमिका निभाई। फ़ाउंडेशन के चेयरमैन इंजीनियर उमर फ़ारुख़ ने बताया कि संस्था अब तक सैकड़ों ज़रूरतमंदों को समय पर ब्लड उपलब्ध करवा चुकी है। उन्होंने कहा -"इंसानियत अब भी ज़िंदा है, बस उसे निभाने वाले दिल चाहिए। हमारा उद्देश्य समाज में मानवता की भावना को मज़बूत करना है।" उमर फ़ारुख़ फ़ाउंडेशन शिक्षा, स्वास्थ्य और राहत कार्यों के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय है। संस्था ने लोगों से अपील की है कि—"आपका एक यूनिट ब्लड किसी ज़िंदगी की उम्मीद बन सकता है।"

सागवान : भव्य कार्यक्रम में ट्रेलर लॉन्च, अंधविश्वास और कुरीतियों के खिलाफ़ जागरूकता का सिनेमा

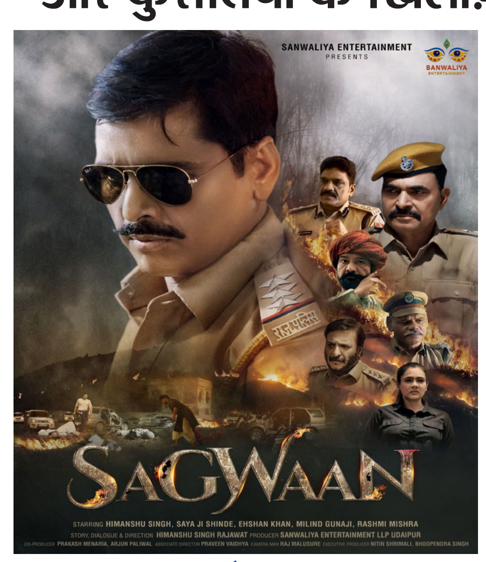

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सांवलिया एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी सत्य घटना पर आधारित फ़िल्म 'सागवान' का ट्रेलर रविवार को उदयपुर में एक रंगारंग समारोह में लॉन्च किया गया। दक्षिणी राजस्थान और प्रतापगढ़ के जंगलों में फ़िल्माई गई यह फ़िल्म समाज में व्याप्त अंधविश्वास, तंत्र-मंत्र और झूठी मान्यताओं के खिलाफ़ एक सशक्त संदेश लेकर आई है। जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी, एडीजी पुलिस दिनेश एम.एन., मेवाड़ राजपरिवार के डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़, विधायक फूल सिंह मीणा, लाल सिंह झाला, अतुल चंडालिया, प्रीति गजेंद्र सिंह, सौरभ पालीवाल और कन्हैयालाल मीणा सहित अनेक गणमान्य नागरिक, कलाकार और मीडिया जगत के प्रतिनिधि मौजूद रहे। फ़िल्म की टीम ने दर्शकों और अतिथियों से संवाद करते हुए इसके निर्माण से जुड़ी कई रोचक बातें साझा कीं। फ़िल्म के निर्देशक और मुख्य अभिनेता हिमांशु सिंह राजावत पेशे से पुलिस अधिकारी हैं। उन्होंने फ़िल्म की कहानी, संवाद और निर्देशन तीनों की ज़िम्मेदारी स्वयं निभाई है। राजावत ने बताया कि इस फ़िल्म की प्रेरणा उन्हें अपने पुलिस जीवन की एक वास्तविक घटना से मिली। उन्होंने कहा कि "सागवान केवल एक थ्रिलर या एक्शन फ़िल्म नहीं है, बल्कि यह समाज को सोचने और जागने के लिए प्रेरित करने वाली कहानी है।" फ़िल्म में एहसान ख़ान, मिलिंद गुना, श्याजी शिंदे, रश्मि मिश्रा, और सुनील बिश्नोई जैसे कलाकारों ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं। इन सभी ने अपने अभिनय से पात्रों को जीवन्त बनाने की कोशिश की है, जिससे कहानी और अधिक प्रभावशाली बन सके। ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में फ़िल्म के निर्माता प्रकाश मेनारिया, अर्जुन पालीवाल, नितिन श्रीमाली और भूपेंद्र दुलावत ने कहा कि यह फ़िल्म समाज के वास्तविक मुद्दों को उठाने का प्रयास है। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान टीम ने स्थानीय कलाकारों और ग्रामीणों को भी शामिल किया, ताकि कहानी में क्षेत्रीय संस्कृति और वास्तविकता का समावेश हो सके। 'सागवान' की कहानी एक ऐसे पुलिस अधिकारी की है, जो अंधविश्वास में जकड़े समाज से टकराता है और लोगों को सच दिखाने का प्रयास करता है। यह कहानी दर्शाती है कि किस तरह अज्ञानता और भय लोगों के जीवन पर हावी हो जाते हैं। फ़िल्म का प्रत्येक दृश्य इस संघर्ष और विश्वास की लड़ाई को बयां करता है। फ़िल्म की शूटिंग उदयपुर और प्रतापगढ़ के जंगलों, घाटियों और गाँवों में की गई है। इन इलाकों की प्राकृतिक खूबसूरती और स्थानीय संस्कृति ने कहानी को वास्तविकता का रंग दिया है। फ़िल्म की टीम का कहना है कि यह सिर्फ़ मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज के दर्पण के रूप में बनी एक कोशिश है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने भी कहा कि 'सागवान' जैसी फ़िल्में समाज में जागरूकता लाने का माध्यम बन सकती हैं। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि ऐसी फ़िल्में न केवल मनोरंजन करती हैं, बल्कि दर्शकों के भीतर सोच पैदा करती हैं। निर्माताओं ने बताया कि 'सागवान' जल्द ही देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ की जाएगी। इसका ट्रेलर यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है और दर्शकों से इसे शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है।

उदयपुर के खिलाड़ियों की जूडो में शानदार उपलब्धि-ऋषिराज को रजत, शौर्य वर्धन को स्वर्ण पदक

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के जूडो खिलाड़ियों ने हाल ही में आयोजित राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शहर का मान बढ़ाया है। श्रीगंगानगर में 28 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित सीबीएसई जूडो राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उदयपुर के ऋषिराज गोस्वामी ने अंडर-19 के 60 किलो वर्ग में शानदार खेल दिखाते हुए रजत पदक हासिल किया। इसके साथ ही जयपुर में 1 से 7 अक्टूबर तक आयोजित 69वीं राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में शौर्य वर्धन सिंह ने सीनियर वर्ग के 81 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर स्थान बनाया। दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल ने उन्हें तथा उनके कोच जसवंत सिंह को सम्मानित कर बधाई दी। डॉ. पालीवाल ने कहा कि उदयपुर के युवा खिलाड़ी अपनी मेहनत और अनुशासन के बल पर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर लगातार उपलब्धियाँ हासिल कर रहे हैं, जो जिले के खेल जगत के लिए गर्व की बात है।

पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक का आयोजन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत गठित पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक सोमवार को जिला कलेक्टर के निर्देशन में अतिरिक्त जिला कलेक्टर(शहर) जितेंद्र ओझा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक के दौरान चर्चा करते हुए एडीएम ओझा ने कहा कि पशु क्रूरता निवारण के संबंधित कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही करें। विद्यालयी छात्र - छात्राओं को पर्यावरण संतुलन और पशु-पक्षियों के महत्व की सीख देने हेतु जागरूक करें। बैठक के दौरान एडीएम ने जिले की गौशालाओं की स्थिति भी जानी तथा निराश्रित पशुओं के पुनर्वास, विभिन्न क्षेत्रों में स्ट्रीट डॉग्स के वैक्सीनेशन एवं नियंत्रण हेतु किये जा रहे उपाय आदि की स्थिति जानते हुए स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से सुझाव भी लिए। बैठक के दौरान पशुपालन विभाग संयुक्त निदेशक डॉ सुरेश जैन, बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय के डॉ महेंद्र मेहता, पीपुल्स फॉर एनिमल सोसायटी के सत्यजीत राय समेत नगर निगम, शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

महाराणा प्रताप सेना ने किया अज्ञात शव का अंतिम संस्कार

24 न्यूज अपडेट

हिरणमंगरी थाना पुलिस को उमारड़ा के पास 49 वर्षीय व्यक्ति का शव मिला था , शव महाराणा भूपाल चिकित्सालय की मोर्चरी में था ,जिसकी शिनाख्त नहीं हो पाई परिजनों का इतने दिनों तक पता नहीं चलने पर, हिरण मंगरी थाना पुलिस द्वारा महाराणा प्रताप सेना को शव अंतिम संस्कार के लिए सौपा गया , अंतिम संस्कार अशोक नगर मोक्ष धाम पर किया गया । इस सेवा कार्य में संस्थापक मोहन सिंह राठौड़ , हिम्मत सिंह, रणजीत सिंह, भवरलाल , नन्दराज भारती उपस्थिति थे ।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।